Gen

Chapter 8

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיִּזְכֹּר	और-याद-किया	H2142
אֱלֹהִים	परमेश्वर-ने	H0430
אֶת־	-	H0853
נֹחַ	नूह-को	H5146
וְאֵת	और-	H0853
כָּל־	सब-	H3605
הַחַיָּה	जीवोन-को	
וְאֶת־	और-	H0853
כָּל־	सब-	H3605
הַבְּהֵמָה	पशुओन-को	H0929
אֲשֶׁר	जो	
אִתּוֹ	उस्के-साथ	H0854
בַּתֵּבָה	जहअज़-मेइन	H8392
וַיַּעֲבֵר	और-बहाया	
אֱלֹהִים	परमेश्वर-ने	H0430
רוּחַ	वअयु	H7307
עַל־	-पर	
הָאָרֶץ	प्रिथवी	H0776
וַיָּשֹׁכּוּ	और-घता	H7918
הַמָּיִם׃	जल	H4325

लेकिन परमेश्वर नूह को नहीं भूला। परमेश्वर ने नूह और जहाज़ में उसके साथ रहने वाले सभी पशुओं और जानवरों के याद रखा। परमेश्वर ने पृथ्वी पर आँधी चलाई और सारा जल गायब होने लगा।

2

וַיִּסָּכְרוּ	और-बन्द-हुए	H5534
מַעְיְנֹת	स्रोत	H4599
תְּהוֹם	अथाह-सागर-के	H8415
וַאֲרֻבֹּת	और-खिड़कियान	H0699
הַשָּׁמָיִם	आकाश-की	H8064
וַיִּכָּלֵא	और-रोका-गया	H3607
הַגֶּשֶׁם	वरशा	H1653
מִן־	-से	
הַשָּׁמָיִם׃	आकाश	H8064

आकाश से वर्षा रूक गई और पृथ्वी के नीचे से पानी का बहना भी रूक गया।

3

וַיָּשֻׁבוּ	और-लौता	H7725
הַמַּיִם	जल	H4325
מֵעַל	-से	
הָאָרֶץ	प्रिथवी	H0776
הָלוֹךְ	जाते	H1980
וָשׁוֹב	और-लौते	H7725
וַיַּחְסְרוּ	और-घता	H2637
הַמַּיִם	जल	H4325
מִקְצֵה	अन्त-मेइन	
חֲמִשִּׁים	पचास	H2572
וּמְאַת	और-सौ	H3967
יוֹם׃	दिन	H3117

पृथ्वी को डुबाने वाला पानी बरबर घटता चला गया। एक सौ पचास दिन बाद पानी इतना उतर गया कि जहाज फिर से भूमि पर आ गमा।

4

וַתָּנַח	और-तिका	H5117
הַתֵּבָה	जहअज़	H8392
בַּחֹדֶשׁ	महीने-मेइन	H2320
הַשְּׁבִיעִי	सातवे	H7637
בְּשִׁבְעָה־	सत्रह-	H7651
עָשָׂר	दस	H6240
יוֹם	दिन	H3117
לַחֹדֶשׁ	महीने-के	H2320
עַל	पर	
הָרֵי	पहादोन	H2022
אֲרָרָט׃	अरारात-के	H0780

जहाज अरारात के पहाड़ों में से एक पर आ टिका। यह सातवें महीने का सत्तरहवाँ दिन था।

5

וְהַמַּיִם	और-जल	H4325
הָיוּ	था	H1961
הָלוֹךְ	जाता	H1980
וְחָסוֹר	और-घताता	H2637
עַד	तक	H5704
הַחֹדֶשׁ	महीना	H2320
הָעֲשִׂירִי	दस्वान	H6224
בָּעֲשִׂירִי	दस्वे-मेइन	H6224
בְּאֶחָד	पहले	H0259
לַחֹדֶשׁ	महीने-के	H2320
נִרְאוּ	दिखे	H7200
רָאשֵׁי	चोतियन	
הֶהָרִים׃	पहादोन-की	H2022

जल उतरता गया और दसवें महीने के पहले दिन पहाड़ों की चोटियाँ जल के ऊपर दिखाई देने लगी।

6

וַיְהִי	और-हुआ	H1961
מִקֵּץ	अन्त-मेइन	H7093
אַרְבָּעִים	चालीस	H0705
יוֹם	दिन	H3117
וַיִּפְתַּח	और-खोला	
נֹחַ	नूह-ने	H5146
אֶת־	-	H0853
חַלּוֹן	खिदकी	H2474
הַתֵּבָה	जहअज़-की	H8392
אֲשֶׁר	जिसे	
עָשָׂה׃	बनाया-था	

जहाज में बनी खिड़की को नूह ने चालीस दिन बाद खोला।

7

וַיְשַׁלַּח	और-भेजा	H7971
אֶת־	-	H0853
הָעֹרֵב	कौवा-को	H6158
וַיֵּצֵא	और-गया	H3318
יָצוֹא	जाता	H3318
וָשׁוֹב	और-लौताता	H7725
עַד־	जब-तक-	H5704
יְבֹשֶׁת	सुख-न	H3001
הַמַּיִם	जल-का	H4325
מֵעַל	-से	
הָאָרֶץ׃	प्रिथवी	H0776

नूह ने एक कौवे को बाहर उड़ाया। कौवा उड़ कर तब तक फिरता रहा जब तक कि पृथ्वी पूरी तरह से न सूख गयी।

8
וַיְשַׁלַּח אֶת־ הַיּוֹנָה מֵאִתּוֹ לִרְאוֹת הֲקַלּוּ הַמַּיִם מֵעַל פְּנֵי הָאֲדָמָה׃
और-भेजा - कबोओतर-को अपने-पास-से देखने-के-लिये क्या-घता जल -से मुख भूमि-के
H7971 H0853 H3123 H0854 H7200 H7043 H4325 H6440 H0127

नूह ने एक फाख्ता भी बाहर भेजा। वह जानना चाहता था कि पृथ्वी का पानी कम हुआ है या नहीं।

9
וְלֹא־ מָצְאָה הַיּוֹנָה מָנוֹחַ לְכַף־ רַגְלָהּ וַתָּשָׁב אֵלָיו אֶל־ הַתֵּבָה
और-नहीन- पाया कबोओतर-ने विश्राम तलवे-के-लिये- अपने-पैर-के और-लौटा उस्के-पास -मेइन जहअज़
H3808 H4672 H3123 H4494 H3709 H7272 H7725 H0413 H0413 H8392
כִּי־ מַיִם עַל־ פְּנֵי כָל־ הָאָרֶץ וַיִּשְׁלַח יָדוֹ וַיִּקָּחֶהָ וַיָּבֵא אֹתָהּ
क्योनकि- जल -पर मुख सब- प्रिथ्वी-के और-बधाया अपना-हाथ और-पकदा-उसे और-लाया उसे
H4325 H6440 H3605 H0776 H7971 H3027 H3947 H0935 H0853
אֵלָיו אֶל־ הַתֵּבָה׃
अपने-पास -मेइन जहअज़
H0413 H0413 H8392

फ़ाख्ते को कहीं बैठने की जगह नहीं मिली क्योंकि अभी तक पानी पृथ्वी पर फैला हुआ था। इसलिए वह नूह के पास जहाज़ पर वापस लौट आया। नूह ने अपना हाथ बढ़ा कर फ़ाख्ते को वापस जहाज़ के अन्दर ले लिया।

10
וַיָּחֶל עוֹד שִׁבְעַת יָמִים אֲחֵרִים וַיֹּסֶף שַׁלַּח אֶת־ הַיּוֹנָה מִן־ הַתֵּבָה׃
और-रहा और सात दिन और और-फ़िर भेजा - कबोओतर-को -से जहअज़
H5750 H7651 H3117 H0312 H3254 H7971 H0853 H3123 H8392

सात दिन बाद नूह ने फिर फ़ाख्ते को भेजा।

11
וַתָּבֹא אֵלָיו הַיּוֹנָה לְעֵת עֶרֶב וְהִנֵּה עֲלֵה־ זַיִת טָרָף בְּפִיהָ
और-आया उस्के-पास कबोओतर समय-मेइन शाम-के और-देखो पत्ता- जईतून-का तोदा-हुआ अपने-मुनह-मेइन
H0935 H0413 H3123 H6256 H6153 H2009 H5929 H2132 H2965 H6310
וַיֵּדַע נֹחַ כִּי־ קַלּוּ הַמַּיִם מֵעַל הָאָרֶץ׃
और-जाना नूह-ने कि- घता जल -से प्रिथ्वी
H3045 H5146 H7043 H4325 H0776

उस दिन दोपहर बाद फ़ाख्ता नूह के पास आया। फ़ाख्ते के मुँह में एक ताजी जैतून की पत्ती थी। यह चिन्ह नूह को यह बताने के लिए था कि अब पानी पृथ्वी पर धीरे—धीरे कम हो रहा है।

12
וַיִּיָּחֶל עוֹד שִׁבְעַת יָמִים אֲחֵרִים וַיְשַׁלַּח אֶת־ הַיּוֹנָה וְלֹא־ יָסְפָה שׁוּב־
और-रहा और सात दिन और और-भेजा - कबोओतर-को और-नहीन- फ़िर-लौटा लौतने-
H3176 H5750 H7651 H3117 H0312 H7971 H0853 H3123 H3808 H3254 H7725
אֵלָיו עוֹד׃
उस्के-पास फ़िर
H0413 H5750

नूह ने सात दिन बाद फिर फ़ाख्ते को भेजा। किन्तु इस समय फ़ाख्ता लौटा ही नहीं।

13
וַיְהִי בְּאַחַת וְשֵׁשׁ־ מֵאוֹת שָׁנָה בָּרִאשׁוֹן בְּאֶחָד לַחֹדֶשׁ חָרְבוּ הַמַּיִם מֵעַל
और-हुआ एक-मेइन और-छ- सौ वरश पहले-महीने-मेइन पहले महीने-के सुखा जल -से
H1961 H0259 H8337 H3967 H8141 H7223 H0259 H2320 H4325
הָאָרֶץ וַיָּסַר נֹחַ אֶת־ מִכְסֵה הַתֵּבָה וַיַּרְא וְהִנֵּה חָרְבוּ פְּנֵי הָאֲדָמָה׃
प्रिथ्वी और-हटाया नूह-ने - ढकन जहअज़-का और-देखा और-देखो सुख-गया मुख भूमि-का
H0776 H5493 H5146 H0853 H4372 H8392 H7200 H2009 H6440 H0127

उसके बाद नूह ने जहाज़ का दरवाजा खोला नूह ने देखा और पाया कि भूमि सूखी है। यह वर्ष के पहले महीने का पहला दिन था। नूह छः सौ एक वर्ष का था।

14
וּבַחֹדֶשׁ הַשֵּׁנִי בְּשִׁבְעָה וְעֶשְׂרִים יוֹם לַחֹדֶשׁ יָבְשָׁה הָאָרֶץ׃ ס
और-महीने-मेइन दूस्रे सत्ताईस और-बीस दिन महीने-के सुखी-हो-गई प्रिथ्वी —
H2320 H8145 H7651 H6242 H3117 H2320 H3001 H0776

दूसरे महीने के सत्ताइसवें दिन तक भूमि पूरी तरह सूख गयी।

15

וַיְדַבֵּר	אֱלֹהִים	אֶל־	נֹחַ	לֵאמֹר׃
और-बोला	परमेश्वर	-से	नूह	कहते-हुए
H1696	H0430	H0413	H5146	H0559

तब परमेश्वर ने नूह से कहा,

16

צֵא	מִן־	הַתֵּבָה	אַתָּה	וְאִשְׁתְּךָ	וּבָנֶיךָ	וּנְשֵׁי־	בָנֶיךָ	אִתָּךְ׃
निकल	-से	जहअज़	तू	और-तेरी-पतनी	और-तेरे-पुत्र	और-पतनियान-	तेरे-पुत्रोन-की	तेरे-साथ
H3318		H8392		H0802		H0802		H0854

“जहाज़ को छोड़ो। तुम, तुम्हारी पत्नी, तुम्हारे पुत्र और उनकी पत्नियाँ सभी अब बाहर निकलों।

17

כָּל־	הַחַיָּה	אֲשֶׁר־	אִתְּךָ	מִכָּל־	בָּשָׂר	בָּעוֹף	וּבַבְּהֵמָה	וּבְכָל־	הָרֶמֶשׂ
सब-	जीव	जो-	तेरे-साथ	सब-से-	शरीर	पकशियोन-मेइन	और-पशुओन-मेइन	और-सब-मेइन-	रेनगने-वाले
H3605			H0854	H3605	H1320	H5775	H0929	H3605	H7431

הָרֹמֵשׂ	עַל־	הָאָרֶץ	[הוצא]	(הַיְצֵא)	אִתָּךְ	וְשָׁרְצוּ	בָאָרֶץ	וּפָרוּ	וְרָבוּ
जो-रेनगते	-पर	प्रिथवी	[निकाल]	निकाल	अपने-साथ	और-भूमि-को-भरेनगे	प्रिथवी-पर	और-फलेनगे	और-बधेनगे
H7430		H0776	H3318	H3318	H0854	H8317	H0776	H6509	

עַל־	הָאָרֶץ׃
-पर	प्रिथवी
	H0776

हर एक जीवित प्राणी, सभी पक्षियों, जानवरों तथा पृथ्वी पर रेंगने वाले सभी को जहाज़ के बाहर लाओ। ये जानवर अनेक जानवर उत्पन्न करेंगे और पृथ्वी को फिर भर देंगे।”

18

וַיֵּצֵא־	נֹחַ	וּבָנָיו	וְאִשְׁתּוֹ	וּנְשֵׁי־	בָנָיו	אִתּוֹ׃
और-निकला-	नूह	और-उस्के-पुत्र	और-उस्की-पतनी	और-पतनियान-	उस्के-पुत्रोन-की	उस्के-साथ
H3318	H5146		H0802	H0802		H0854

अतः नूह अपने पुत्रों, अपनी पत्नी, अपने पुत्रों की पत्नियों के साथ जहाज़ से बाहर आया।

19

כָּל־	הַחַיָּה	כָּל־	הָרֶמֶשׂ	וְכָל־	הָעוֹף	כֹּל	רוֹמֵשׂ	עַל־	הָאָרֶץ
सब-	जीव	सब-	रेनगने-वाले	और-सब-	पकशी	सब	जो-रेनगता	-पर	प्रिथवी
H3605		H3605	H7431	H3605	H5775	H3605	H7430		H0776

לְמִשְׁפְּחֹתֵיהֶם	יָצְאוּ	מִן־	הַתֵּבָה׃
अपने-परिवअरोन-के-अनुसार	निक्ले	-से	जहअज़
H4940	H3318		H8392

सभी जानवरों, सभी रेंगने वाले जीवों और सभी पक्षियों ने जहाज़ को छोड़ दिया। सभी जानवर जहाज़ से नर और मादा के जोड़े में बाहर आए।

20

וַיִּבֶן	נֹחַ	מִזְבֵּחַ	לַיהוָה	וַיִּקַּח	מִכֹּל	הַבְּהֵמָה	הַטְּהוֹרָה	וּמִכֹּל	הָעוֹף	הַטָּהֹר
और-बनाया	नूह-ने	वेदी	यहवे-के-लिये	और-लिया	सब-से	पशु	शुदध	और-सब-से	पकशी	शुदध
H1129	H5146	H4196	H3068	H3947	H3605	H0929	H2889	H3605	H5775	H2889

וַיַּעַל	עֹלֹת	בַּמִּזְבֵּחַ׃
और-चधाया	होमबली	वेदी-पर
H5927		H4196

तब नूह ने यहोवा के लिए एक वेदी बनाई। उसने कुछ शुद्ध पक्षियों और कुछ शुद्ध जानवर को लिया और उनको वेदी पर परमेश्वर को भेंट के रूप में जलाया।

21

וַיָּ֣רַח	יְהוָה֮	אֶת־	רֵ֣יחַ	הַנִּיחֹחַ֒	וַיֹּ֨אמֶר	יְהוָ֜ה	אֶל־	לִבּ֗וֹ	לֹֽא־	אֹסִף֩
और-सूनघा	यहवे-ने	-	गनध	सुखदायी	और-कहा	यहवे-ने	-मेइन	अपने-ह्रिदय	नहीन-	फ़िर
H7306	H3068	H0853	H7381	H5207	H0559	H3068	H0413		H3808	H3254

לְקַלֵּ֨ל	ע֤וֹד	אֶת־	הָֽאֲדָמָה֙	בַּעֲב֣וּר	הָֽאָדָ֔ם	כִּ֠י	יֵ֣צֶר	לֵ֧ב	הָאָדָ֛ם	רַ֖ע
श्रापित-करूनगा	फ़िर	-	भूमि-को	कारन-से	मनुश्य-के	क्योनकि	विचर	ह्रिदय	मनुश्य-का	बुरा
H7043	H5750	H0853	H0127	H5668	H0120		H3336		H0120	

מִנְּעֻרָ֑יו	וְלֹֽא־	אֹסִ֥ף	ע֛וֹד	לְהַכּ֥וֹת	אֶת־	כָּל־	חַ֖י	כַּאֲשֶׁ֥ר	עָשִֽׂיתִי׃
अपनी-जवअनी-से	और-नहीन-	फ़िर	फ़िर	मारूनगा	-	सब-	जीवित-को	जैसा	मैने-किया
	H3808	H3254	H5750	H5221	H0853	H3605			

> यहोवा इन बलियों की सुगन्ध पाकर खुश हुआ। यहोवा ने मन—ही—मन कहा, “मैं फिर कभी मनुष्य के कारण पृथ्वी को शाप नहीं दूँगा। मानव छोटी आयु से ही बुरी बातें सोचने लगता है। इसलिए जैसा मैंने अभी किया है इस तरह मैं अब कभी भी सारे प्राणियों को सजा नहीं दूँगा।

22

עֹ֖ד	כָּל־	יְמֵ֣י	הָאָ֑רֶץ	זֶ֡רַע	וְקָצִיר֩	וְקֹ֨ר	וָחֹ֜ם	וְקַ֧יִץ	וָחֹ֛רֶף	וְי֥וֹם
अब-से	सब-	दिन	प्रिथवी-के	बीज-बोना	और-कातना	और-थन्द	और-गरमी	और-ग्रीशम	और-सरदी	और-दिन
H5750	H3605	H3117	H0776	H2233		H7120	H2527	H7019	H2779	H3117

וָלַ֖יְלָה	לֹ֥א	יִשְׁבֹּֽתוּ׃
और-रात	नहीन	रुकेनगे
H3915	H3808	

> जब तक यह पृथ्वी रहेगी तब तक इस पर फसल उगाने और फ़सल काटने का समय सदैव रहेगा। पृथ्वी पर गरमी और जाड़ा तथा दिन औ रात सदा होते रहेंगे।”